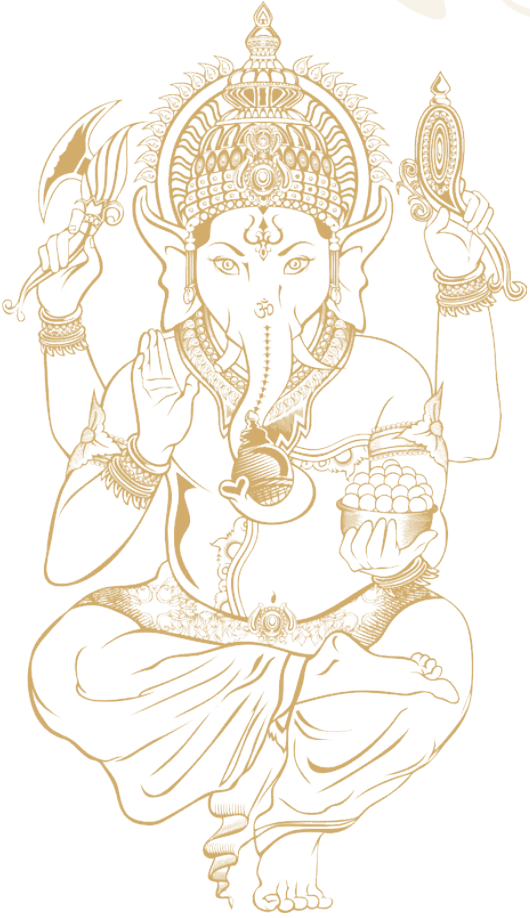

Mr.Deepak Bhama

27 Apr 1990

02:20 PM

Delhi

लिंग	: पुल्लिंग
जन्म तिथि	**: 27/04/1990**
दिन	: शुक्रवार
जन्म समय	**: 14:20:00 घंटे**
इष्ट	: 21:28:38 घटी
स्थान	**: Delhi**
देश	: India

अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	: 13:58:52 घंटे
वेलान्तर	: 00:02:18 घंटे
साम्पातिक काल	: 04:19:12 घंटे
सूर्योदय	: 05:44:32 घंटे
सूर्यास्त	: 18:53:37 घंटे
दिनमान	: 13:09:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	: उत्तर
ऋतु	: ग्रीष्म
सूर्य के अंश	: 13:06:54 मेष
लग्न के अंश	: 14:09:20 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**: वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**: रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	: चन्द्र
योग	: शोभन
करण	: गर
गण	: मनुष्य
योनि	: सर्प
नाड़ी	: अन्त्य
वर्ण	: वैश्य
वश्य	: चतुष्पाद
वर्ग	: मृग
युँजा	: पूर्व
हंसक	: भूमि
जन्म नामाक्षर	: वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	: ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:09:20	314:36:42	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			मेष	13:06:54	00:58:23	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	उच्च राशि
चंद्र			वृष	14:13:48	15:02:15	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
मंगल			कुंभ	11:05:42	00:44:51	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	मेष	23:03:23	00:21:02	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
गुरु			मिथु	12:36:59	00:09:44	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	28:43:18	01:06:14	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मक	01:34:00	00:00:45	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मक	18:34:35	00:09:01	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	18:34:35	00:09:01	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	15:47:16	00:00:40	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		धनु	20:49:02	00:00:21	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
प्लूटो	व		तुला	22:56:57	00:01:39	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			वृष	12:55:30	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	राहु	--

व - वक्री   स - स्थिर
अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:30

लग्न-चलित

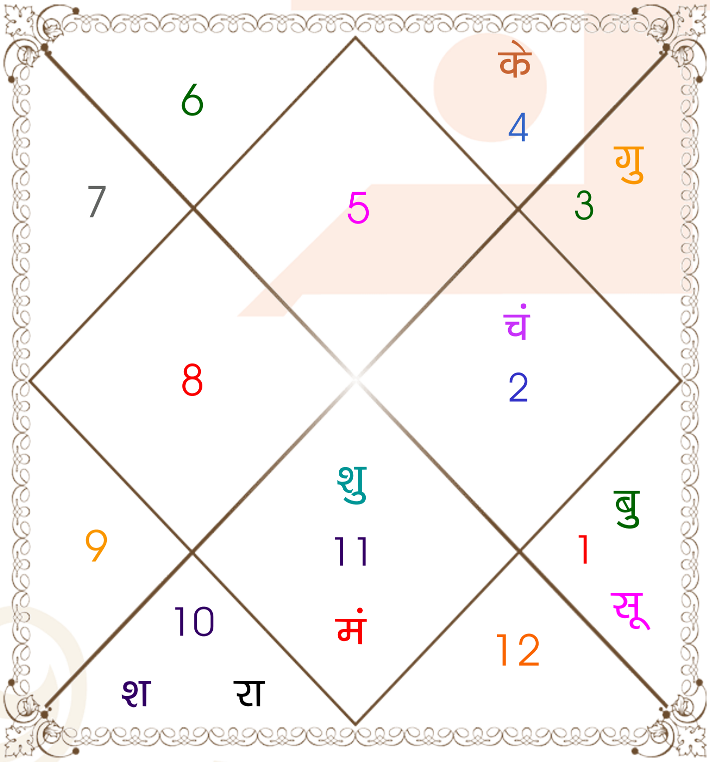

चन्द्र कुंडली

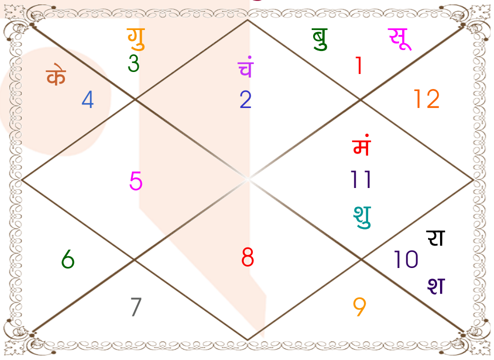

नवमांश कुंडली

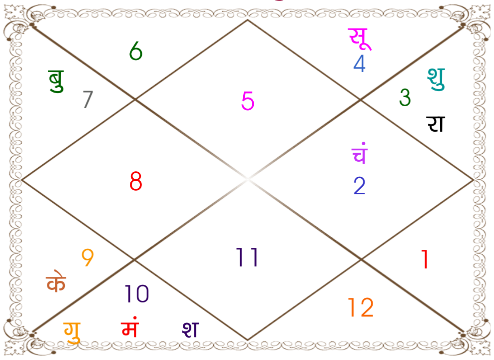

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 6 वर्ष 9 मास 28 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
27/04/1990	**23/02/1997**	**24/02/2004**	**23/02/2022**	**23/02/2038**
23/02/1997	**24/02/2004**	**23/02/2022**	**23/02/2038**	**23/02/2057**
00/00/0000	मंगल 22/07/1997	राहु 06/11/2006	गुरु 12/04/2024	शनि 26/02/2041
00/00/0000	राहु 10/08/1998	गुरु 31/03/2009	शनि 25/10/2026	बुध 06/11/2043
27/04/1990	गुरु 16/07/1999	शनि 05/02/2012	बुध 30/01/2029	केतु 15/12/2044
गुरु 26/05/1991	शनि 24/08/2000	बुध 25/08/2014	केतु 05/01/2030	शुक्र 14/02/2048
शनि 24/12/1992	बुध 21/08/2001	केतु 12/09/2015	शुक्र 05/09/2032	सूर्य 26/01/2049
बुध 25/05/1994	केतु 18/01/2002	शुक्र 12/09/2018	सूर्य 25/06/2033	चंद्र 28/08/2050
केतु 24/12/1994	शुक्र 20/03/2003	सूर्य 07/08/2019	चंद्र 25/10/2034	मंगल 07/10/2051
शुक्र 24/08/1996	सूर्य 26/07/2003	चंद्र 05/02/2021	मंगल 01/10/2035	राहु 13/08/2054
सूर्य 23/02/1997	चंद्र 24/02/2004	मंगल 23/02/2022	राहु 23/02/2038	गुरु 23/02/2057

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
23/02/2057	**23/02/2074**	**23/02/2081**	**24/02/2101**	**24/02/2107**
23/02/2074	**23/02/2081**	**24/02/2101**	**24/02/2107**	**00/00/0000**
बुध 23/07/2059	केतु 22/07/2074	शुक्र 24/06/2084	सूर्य 13/06/2101	चंद्र 26/12/2107
केतु 19/07/2060	शुक्र 21/09/2075	सूर्य 25/06/2085	चंद्र 13/12/2101	मंगल 26/07/2108
शुक्र 20/05/2063	सूर्य 27/01/2076	चंद्र 23/02/2087	मंगल 20/04/2102	राहु 25/01/2110
सूर्य 25/03/2064	चंद्र 27/08/2076	मंगल 24/04/2088	राहु 15/03/2103	गुरु 28/04/2110
चंद्र 24/08/2065	मंगल 23/01/2077	राहु 25/04/2091	गुरु 01/01/2104	00/00/0000
मंगल 22/08/2066	राहु 11/02/2078	गुरु 24/12/2093	शनि 13/12/2104	00/00/0000
राहु 10/03/2069	गुरु 18/01/2079	शनि 23/02/2097	बुध 19/10/2105	00/00/0000
गुरु 16/06/2071	शनि 27/02/2080	बुध 25/12/2099	केतु 24/02/2106	00/00/0000
शनि 23/02/2074	बुध 23/02/2081	केतु 24/02/2101	शुक्र 24/02/2107	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 6 वर्ष 10 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेगा। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगे उसी में सफल हो जाओगे।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानते है कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगे। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगे। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगे तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देते हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेते हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान है। वह यह है कि आप यह जानते हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगे तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेते हैं। परिणाम स्वरुप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगे। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगे। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं के ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकते हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपके प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से स्त्रियाँ वशीभूत हो जाया करेंगी। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास प्रिय पत्नी बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पातें । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना

चाहिए। आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करते हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको हृदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आपको सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहते हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकते हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।